

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल से प्रान्तीय सिविल सेवा के परिवीक्षाधीन
अधिकारियों ने भेंट की

प्रशिक्षु अधिकारी दहेज प्रथा एवं बाल-विवाह के निवारण हेतु पहल करें

गाँव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें

अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें और सेवा भाव से जनता की सेवा करें—
श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ: 28 अक्टूबर, 2021

राजभवन के गांधी सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से आज प्रान्तीय सिविल सेवा 2016 के शेष तथा 2018 बैच के 96 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये राज्यपाल जी ने कहा कि आज आप अपना व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने तैनाती क्षेत्र में जा रहे हैं। सरकार तथा आम आदमी की आपसे बहुत अपेक्षाये हैं, आपका दायित्व है कि आप अपनी जिम्मेदारी को समझें और सेवा भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आपका प्रयास होना चाहिये फरियादी आपके पास से निराश होकर न जायें।

राज्यपाल जी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यों की विविधता है केन्द्र तथा राज्य सरकार ने सभी वर्गों के लिये योजनायें संचालित की हैं जिनका सफल क्रियान्वयन आपको करना है ताकि ग्रामीणों को उनका लाभ मिल सके। राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि आप लोग गाँव में चौपाल लगायें, आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनायें, देश को टी.बी. मुक्त बनाने हेतु क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लें, सामाजिक बुराइयों यथा दहेज, बाल-विवाह को

रोकें, ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनता दरबार लगाये ऐसा करने से ग्रामीण बिना किसी भय के आपसे जुड़ेंगे तथा उनकी समस्याओं का निराकरण होगा। उन्होंने कहा कि यदि आपके द्वारा कोई कार्य योजना बनाई जाती है तो उसके हर पहलू पर ध्यान दें ताकि उसमें बार-बार संशोधन न करना पड़े। आपको जनता की सेवा का अवसर मिला है इसलिए पूरी सेवा भाव से जनता की सेवा करें।

उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, लखनऊ के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि जीवन में श्रेष्ठता के लिये संघर्ष चल रहा है। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में श्रेष्ठता के लिये देश अमृत महोत्सव मना रहा है। श्रेष्ठता के लिये राम राज्य की कल्पना और उस आदर्श को प्राप्त करने हेतु आदर्श राज्य की स्थापना करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठता का कार्य केवल बातों से नहीं मिलता। इसके लिये हमें श्रेष्ठ लोगों के मार्गदर्शन तथा कार्यों को गम्भीरता के साथ उस दिशा में करना होगा तभी अमृत महोत्सव की सार्थकता होगी।

इस अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों ने परिवीक्षा अवधि में किये गये कार्यों तथा उनसे प्राप्त अनुभवों को बांटा। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक श्री देवेश चतुर्वेदी सहित प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद थे।

राम मनोहर त्रिपाठी/राजभवन (71/29)
सम्पर्क सूत्र
9453005360



